<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
<u>पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>

<u>विश्वविद्यालय के 20 छात्र फ्रांस में अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप के लिए चयनित</u>

पंतनगर। 22 जनवरी 2026। पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के 20 छात्र आधुनिक कृषि तकनीकों में इंटर्नशिप प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए फ्रांस रवाना होंगे। यह पहल फ्रांस के कृषि और खाद्य संप्रभुता मंत्रालय और पंतनगर विश्वविद्यालय के बीच हुए सहयोगात्मक समझौते का हिस्सा है। हाल ही में हस्ताक्षरित इस समझौते के तहत चयनित छात्र फ्रांस के विभिन्न संस्थानों में डेफिया कंसोर्टियम के अंतर्गत एक माह का इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम करेंगे। यह कार्यक्रम 8 मार्च 2026 से 3 अप्रैल 2026 की अवधि के दौरान आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को खाद्य विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी तथा कृषि में नवीन प्रगतियों से संबंधित व्यावहारिक एवं पेशेवर अनुभव प्रदान करना है। विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशक डा. एच.जे. शिवा प्रसाद एवं डेफिया समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण खाद्य विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्रों के व्यावहारिक कौशल को सुदृढ़ करेगा। चयनित छात्र विभिन्न विषयों, यथा– कृषि, प्रौद्योगिकी, कृषि व्यवसाय, सामुदायिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, मत्स्य विज्ञान एवं पशु चिकित्सा से हैं।

विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय से मेघा पुरोहित, ऋषभ सरवाल, देवाशीष नाथ महंत, अनुमय सिंह भंडारी, गरिमा राणा एवं मेधावी नैनवाल; कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय से भाग्यश्री उपाध्याय; कृषि महाविद्यालय से ऋति पॉल, गगन त्रिपाठी, सुरेंद्र धामी, दिया यादव, शांभवी एवं समिष्ठा भट्ट; मत्स्य पालन महाविद्यालय से प्रेना शर्मा; प्रौद्योगिकी महाविद्यालय से सिदरा मलिक एवं कनिष्क धाका; सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय से एंजेला अहान्थेम एवं दिपांशी बमेटा तथा विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय से भारती कुनवर एवं मानसी नेगी का चयन हुआ है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डा.) मनमोहन सिंह चौहान ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग छात्रों की शैक्षणिक, व्यावहारिक दक्षता बढ़ाने के साथ–साथ भारत और फ्रांस के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान को भी प्रोत्साहित करते हैं। यह कार्यक्रम छात्रों के समग्र विकास और ज्ञान–वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देगा।